

छ

हिंदी देवनागरी वर्णमाला में चवर्ग का दूसरा अक्षर, इसके उच्चारण का स्थान 'तालु' है यह स्पर्श ध्वनि व्यंजन है। इसके उच्चारण में अघोष और महाप्राण नामक प्रयत्न लगते हैं।

छंगा पुं. (देश.) छह उंगलियों वाला, जिसके एक या दोनों हाथों/पैरों में छह उंगलियाँ हों।

छंद पुं. (तत्.) 1. वेद का एक अंग 2. वेद की ऋचा 3. वर्ण, मात्रा आदि की गणना के अनुसार होने वाली कविता की रचना 4. पद्य जैसे- चौपाई, दोहा, सवैया आदि 5. इच्छा, उत्साह, स्वैच्छिक आचरण 6. मंतव्य, उद्देश्य, अभिप्राय 7. उपाय, तरीका, कौशल 8. चालाकी, छल-कपट, विष 9. स्त्रियों की कलाई में पहनने का एक आभूषण।

छंदक वि. (तत्.) 1. रक्षक 2. छली पुं. 1. कृष्ण का एक नाम 2. बुद्ध के सारथि का नाम 3. कपट, धोखा।

छंदज पुं. (तत्.) वैदिक देवता, जिनकी स्तुति वेदों में की गई हो, देवगण।

छंदन पुं. (तत्.) संतुष्ट करना, प्रसन्न करना, रिझाना।

छंदना अ.क्रि. (देश.) 1. कविता की रचना करना 2. रस्सी से पैरों को बाँधना (बैल आदि पशुओं के)।

छंद बंद पुं. (देश.) छलकपट का व्यवहार, धोखाधड़ी।

छंद वासिनी वि. (तद्.) स्वतंत्र जीविका वाली (स्त्री) जो किसी दूसरे पर निर्भर न रहती हो।

छंदशास्त्र पुं. (तत्.) वह शास्त्र जिसमें पद्य रचना के नियम, नाम, भेद आदि का विवेचन किया गया हो पिंगल शास्त्र।

छंदस्कृत पुं. (तत्.) 1. छंद युक्त वेद ऋचा 2. वेद-मंत्र।

छंदानुवृत्ति स्त्री. (तत्.) खुशामद करना, चापलूसी करना, प्रसन्न करना, संतुष्ट करना।

छंदित वि. (तत्.) संतुष्ट किया हुआ, तोषित, प्रसन्न, रीझा हुआ।

छंदी स्त्री. (तद्.) एक आभूषण, जिसे स्त्रियाँ हाथ की कलाई में पहनती हैं। वि. कपटी, धोखे बाज, छल करने वाला।

छंदोबद्ध वि. (तत्.) जो रचना पद्य के रूप में हो, पद्यमय रचना।

छंदोभंग पुं. (तत्.) छंद रचना का एक दोष, जिसमें मात्रा, वर्ण आदि की गणना या लघु, गुरु आदि के नियम का पालन नहीं हुआ हो।

छँटना अ.क्रि. (देश.) 1. कटकर अलग होना, किसी वस्तु के अवयवों का छिन्न होना जैसे- पेड़ की डाल का छँटना उसकी बढ़ोतरी के लिए आवश्यक होता है 2. छाँटकर अलग कर देना, जैसे- इस ढेर से अच्छे अच्छे आम छाँट कर रख देना 3. साफ होना 4. क्षीण होना, दुर्बल होना, जैसे- व्यायाम करने से उसका बदन छँट गया है।

छँटनी स्त्री. (देश.) 1. छाँटने की क्रिया या छँटाई 2. काम करने वालों में से कुछ को हटा देना, कर्मचारियों की संख्या में कमी करना।

छँटवाना प्रेर.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु का अनुपयोगी या बढ़ा हुआ भाग कटवा देना 2. बहुत-सी वस्तुओं में से कुछ वस्तुओं को पृथक कराना 3. छिलवाना।

छँटाई स्त्री. (देश.) 1. छाँटने का काम, छँटनी 2. चुनने की क्रिया 3. साफ करने का काम 4. छाँटने की मजदूरी।

छँटाव पुं. (देश.) छाँटने का भाव और क्रिया, छँटाई।

छँड़ना स.क्रि. (देश.) 1. छोड़ना, त्यागना 2. अन्न को ओखली में डालकर कूटना या छाँटना।